सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 278 | इंदौर, शनिवार 20 अप्रैल, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

दो बाइक भिड़ी, तीन जिंदा जले-एक गंभीर घायल

शादी समारोह से लौटने के दौरान हुआ हादसा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रायसेन। रायसेन में शुक्रवार तडक़े दो बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई। आग लगने से बाइक सवार तीन युवक जिंदा जल गए। एक को गंभीर हालत में बरेली सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा गैरतगंज गाडरवारा के करमोदी के पास हुआ।

स्पीड में थी दोनों बाइक

गैरतगंज का रहने वाला अर्जुन अहिरवार (24) और विपिन अहिरवार (20) एक बाइक पर थे। दोनों सिलवानी के मजगवा गांव में शादी में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। सिलवानी का रहने वाला जितेंद्र आदिवासी और दिनेश अहिरवार भी बाइक पर उसी रोड से जा रहे थे। दोनों बाइक तेज स्पीड में होने के कारण आमने-सामने भिड़ गई। टक्कर होते ही दोनों बाइक में आग लग गई। अर्जुन, विपिन और जितेंद्र को संभलने का समय तक नहीं मिला और जिंदा जल गए। दिनेश की हालत गंभीर है। बरेली सिविल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस की बस को ट्रक ने टक्कर मारी, 21 जवान घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा से चुनाव ड्यूटी कर लौट रहे पुलिस जवान और होमगार्ड सैनिकों की बस शनिवार सुबह करीब 4 बजे पलट गई। हादसे में 21 जवान घायल हो गए। 9 जवानों को बैतूल और 12 को शाहपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस राजगढ़ जा रही थी। बैतूल-भोपाल हाईवे के बरेठा घाट पर नीम पानी ढाबे के पास ट्रक की टक्कर से बस पलट गई। बस निजी कंपनी की थी, जिसमें 6 पुलिस जवान, 33 होम गार्ड सैनिक सवार थे।

लोकसभा चुनाव- तीसरे चरण के लिए सबसे अधिक 233 नामांकन

भोपाल, राजगढ़ और ग्वालियर में चुनावी दावेदारों की सर्वाधिक भीड़, धार में एक भी नाम नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए सबसे अधिक 233 नामांकन जमा हुए हैं। इसमें सबसे अधिक 41 नामांकन भोपाल और 35 राजगढ़ व 33 ग्वालियर में जमा हुए हैं। नामांकन दाखिले का समय खत्म होने के बाद अब नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी का इंतजार है। उधर, चौथे चरण के दूसरे दिन तक 11 प्रत्याशियों ने 16 नामांकन भरे हैं। अभी भी धार लोकसभा सीट में एक भी नामांकन जमा नहीं हुआ है।

इसके पहले तीसरे चरण के नामांकन के आखिरी दिन शुक्रवार को विदिशा लोकसभा सीट से पूर्व सीएम और बीजेपी प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन, कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने भोपाल और बैतूल से बीएसपी प्रत्याशी अर्जुन अशोक भलावी ने नामांकन भरा। अर्जुन के पिता बैतूल से बीएसपी कैंडिडेट थे लेकिन नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया था। इसके बाद चुनाव आयोग ने बैतूल का चुनाव तीसरे चरण में शिफ्ट कर दिया था और सिर्फ बीएसपी कैंडिडेट को नामांकन भरने की छूट दी गई थी। उधर चौथे चरण के लिए नामांकन दाखिले के दूसरे दिन 4 प्रत्याशियों ने अपने परचे भरे हैं।

तीसरे चरण में भिंड, मुरैना, ग्वालियर, सागर, राजगढ़, गुना, विदिशा और भोपाल सीट पर भी आखिरी दिन नामांकन जमा हुए। चौथे चरण के नामांकन के अंतर्गत इंदौर, खंडवा, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, देवास, धार और खरगौन के लिए नामांकन जमा हुए हैं।

अब तक यहां इतने नामांकन जमा

तीसरे चरण वाले लोकसभा क्षेत्रों विदिशा में 23, सागर में 22, राजगढ़ में 35, मुरैना में 25, भिंड में 19, भोपाल में 41, गुना में 25 तथा ग्वालियर में 33 नामांकन फार्म जमा हुए हैं। बीएसपी कैंडिडेट अशोक भलावी के निधन के कारण दूसरे से तीसरे चरण में आई बैतूल लोकसभा सीट के बीएसपी प्रत्याशी का नामांकन भी अभी जमा होना बाकी है। तीसरे चरण के नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी 20 अप्रेल को होगी और 22 अप्रेल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। वहीं दूसरी ओर चौथे चरण के लिये दूसरे दिन शुक्रवार को 4 उम्मीदवारों ने 4 नाम नामांकन जमा किए हैं। अब तक 11 प्रत्याशियों द्वारा 16 नाम निर्देशन-पत्र दाखिल किये जा चुके है। चौथे चरण के लिये दूसरे दिन देवास में 1, इंदौर में 2, खरगौन में 1,नामांकन दाखिल किया गया। उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार एवं खण्डवा में शुक्रवार को किसी भी प्रत्याशी द्वारा कोई भी नामांकन दाखिल नहीं किया गया।

एमपी के 20 शहरों में टेम्प्रेचर 40 डिग्री पार

सीजन में पहली बार इतनी गर्मी; दो दिन ऐसा ही मौसम, फिर आंधी-बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। बारिश, आंधी-ओले का दौर थमने के बाद मध्यप्रदेश में गर्मी का असर बढ़ गया है। इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर-उज्जैन समेत प्रदेश के 20 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग ने 20 अप्रैल को गर्मी का असर रहने का अनुमान जताया है। 21 अप्रैल से अगले 3 दिन के लिए आंधी-बारिश का दौर फिर से शुरू हो सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। जिसका प्रदेश में असर रहेगा। इस वजह से भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन भी भीगेंगे।

अभी धार सबसे गर्म

सीजन में पहली बार प्रदेश में तेज गर्मी पड़ी। सबसे गर्म धार रहा। नौगांव, गुना, शिवपुरी और धार सबसे गर्म रहे। यहां पारा 41 डिग्री से ज्यादा रहा। धार में सबसे अधिक 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बैतूल, सागर, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, खरगोन, सतना, शाजापुर, दमोह, उज्जैन, रीवा, मंडला, मलाजखंड, रतलाम, खजुराहो और नर्मदापुरम में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा।

कब-कहां बारिश के आसार

21 अप्रैल-भोपाल, इंदौर, जबलपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, कटनी, मंडला, बालाघाट और डिंडोरी जिलों में।

22 अप्रैल-नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडोरी, शहडोल और अनूपपुर जिलों में।

अप्रैल में 11 दिन तक लगातार बारिश का रिकॉर्ड

अप्रैल में बारिश के कई रिकॉर्ड टूटे। भोपाल में करीब पौने 2 इंच बारिश हो गई। वहीं, अप्रैल में लगातार 11 दिन तक बारिश होने का रिकॉर्ड भी बना है। 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक प्रदेश में लगातार बारिश हुई है। अब 21 अप्रैल से फिर प्रदेश भीग जाएगा।

मिट्टी के बगैर खेती, किसानों के लिए बेहतर विकल्प

हाइड्रोपोनिक प्रणाली से होने वाली खेती, बागवानी चुनौतियों से निपटने में साबित मददगार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मालवांचल यूनिवर्सिटी के इंडेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज और आईआईडीएस द्वारा हाइड्रोपोनिक खेती पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक्सपर्ट एग्रीकल्चर रिसर्चर भाग्यश्री ओझा दुबे द्वारा छात्रों को हाइड्रोपोनिक खेती और सब्जियों में पीएच स्तर और पोषक तत्वों का प्रबंधन करना भी सिखाया गया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोपोनिक प्रणाली से होने वाली खेती-बागवानी इन चुनौतियों से निपटने मददगार साबित हो सकती है। इसका उद्देश्य खुली जगहों की कमी को देखते हुए छात्रों को बिना मिट्टी के सब्जियों की खेती करने में सक्षम बनाना है। उन्होंने बताया कि हाइड्रोपोनिक या मिट्टी के बगैर खेती की यह तकनीक आज से नहीं, बल्कि सैकड़ों सालों से अपनाई जाती रही है। 600 ईसा पूर्व भी बेबीलोन में हैंगिंग गार्डन हुआ करते थे, जिसमें मिट्टी के बिना ही पौधे लगाए जाते थे।1200 सदी के अंत में मार्को पोलो ने चीन की यात्रा के दौरान वहाँ पानी में होने वाली खेती देखी गई। इसमें विभिन्न फसलों के साथ सब्जियों की खेती के बारे में सहायक निदेशक डॉ. राजेंद्र सिंह, इंडेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, प्रभारी अजय कुमार गौड़ और विभागाध्यक्ष डॉ. शिवम कुमार द्वारा विद्यार्थियों के लिए विशेष सेमिनार आयोजित किया गया।

माताओं का कर्तव्य है कि वे बच्चों को शिक्षा एवं संस्कार दें -आचार्य शर्मा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। संगमनगर (अयोध्याधाम) में आचार्य प0 सर्वेश कुमार शर्मा ने प्रज्ञा पुराण कथा का रसपान कराते हुए कहा कि माताओं का कर्तव्य है कि वे बच्चों को शिक्षा एवं संस्कार दे :आचार्य।

हरिद्वार (शांतिकुंज) गायत्री शक्तिपीठ से पधारे आचार्य प0 सर्वेश कुमार शर्मा ने संगमनगर (अयोध्याधाम) में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव में प्रज्ञा पुराण कथा के समापन में कहा कि मां अपने बच्चों को जैसी सीख देती है बच्चे उसी का अनुशरण करते हैं। इसलिए माताओं का भी कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा व संस्कार दे ताकि बच्चे भविष्य में एक सभ्य नागरिक बन सकें। इससे पूर्व भाई बहनों ने जय गुरु देव जी, गुरुमाता जी व गायत्री माता के चित्र के समक्ष दीप ज्वलन व पुष्प अर्पित किए। आयोजन में गोपीकिशन खोदरे,राहुल यादव,अन्नजिरा पडलक, रंजना कनाठे, प्रियंका यादव,राजा भैया शर्मा, विद्या राजपूत, सचिन ाल,ममता राजपूत, माला विश्वकर्मा, शिवनारायण तोमर,सारिका सालिया आदि ने सेवा आदि ने विशेष सेवा दी।

कटाक्ष

©www.detectivegroupreport.com

चुनाव बाद निगम फिर खरीदेगा डेढ़ सौ कचरा वाहन

प्रस्ताव किया तैयार, चुनाव होने तक कर लेंगे बाकी की भी तैयारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर नगर निगम के द्वारा लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटने के तत्काल बाद 150 डे कचरा उठाने वाली गाडिय़ां खरीदी जाएगी। इसके लिए नगर निगम के द्वारा प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। चुनाव होते है तब तक बाकी की सारी तैयारियां भी कर ली जाएगी।

देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में पहचान रखने वाले इंदौर में घर-घर से कचरा संग्रहण करने वाली गाडिय़ों की कमी हो गई है। जो गाडिय़ां 2017 में खरीदी गई थी उनकी हालत खराब हो गई है। उन गाडिय़ों को हटाकर उनके स्थान पर नई गाड़ी जरूरी हो गया है। इसके साथ ही शहर की सीमा के विस्तार और नई कालोनियों के जुड़ जाने के कारण उन क्षेत्रों में भी घर-घर से कचरा संग्रहण के लिए गाड़ी भेजना आवश्यक है। नगर निगम के पास इतनी गाडिय़ां नहीं है कि वह इन सभी क्षेत्रों में इन गाडिय़ों को भेज कर घर-घर से कचरा एकत्रित करवा सकें। ऐसी स्थिति में नई कचरा गाडिय़ों की खरीदी का मामला पिछले करीब 2 साल से चल रहा था। इस दौरान निगम के द्वारा बहुत ज्यादा आवश्यक होने पर गिनी चुनी गाडिय़ां खरीदने का काम किया जा रहा था।

नई सीएनजी गाड़ी खरीदने का प्रस्ताव तैयार

अब नगर निगम के अधिकारियों को इस बात का एहसास हो गया है कि इस तरह से काम नहीं चल पाएगा। ऐसी स्थिति में अब नगर निगम के द्वारा घर घर से कचरा उठाने वाली डेढ़ सौ नई सीएनजी गाड़ी खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। चुनाव आचार संहिता हट जाने के बाद में इस प्रस्ताव का क्रियान्वयन किया जाएगा। उसके पहले इस प्रस्ताव के क्रियान्वयन की दिशा में जो कुछ कागजी खाना पूर्ति करना आवश्यक है वह सब कुछ की जाएगी। निगम की ओर से कोशिश की जा रही है कि जून में हम इन वाहनों की खरीदी की प्रक्रिया को शुरू करें और जुलाई अंत तक यह सभी गाडिय़ां हमें मिल जाए।

होटल व इलेक्ट्रानिक्स शोरूम किया सील

अग्नि सुरक्षा इंतजाम अधूरे होने पर कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अग्नि सुरक्षा के अधूरे इंतजाम पाए जाने पर शुक्रवार को इंदौर जिला प्रशासन की टीम ने रेती मंडी चौराहे के पास होटल सेंसेशन व बिचौली मर्दाना स्थित लोटस शोरूम को सील किया। फायर सुरक्षा के संबंध में प्रशासन की टीम ने होटल सेंसेशन का 24 मार्च को निरीक्षण किया था। जांच में अग्नि शमन यंत्र एवं फायर सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण होटल संचालक को नोटिस जारी कर व्यवस्था ठीक करने ने निर्देश भी दिए गए थे। शुक्रवार को प्रशासन की टीम ने पुनः होटल का निरीक्षण किया, लेकिन चेतावनी के बावजूद होटल द्वारा अग्नि शमन व्यवस्था को दुरुस्त नही कराया गया था। शुक्रवार को एसडीएम राऊ विनोद राठौर, नायब तहसीलदार धीरेश सोनी ने होटल को सील किया। इसी तरह बिचौली मर्दाना स्थित लोटस शोरूम में अग्नि शमन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से शोरूम को सील किया गया। इस शोरूम का 28 मार्च को नगर निगम द्वारा निरीक्षण किया गया था। जांच में शोरूम के तीन मंजिला भवन में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले। अग्नि सुरक्षा के इंतजाम कम होने पर शोरूम संचालक को नोटिस देकर सुधार के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद भी सुधार नहीं किए जाने पर इलेक्ट्रानिक्स उपकरण बिक्री के इस शोरूम को प्रशासन की टीम ने सील किया।

नगर निगम ने दे दी नक्शे से 30% ज्यादा निर्माण के कंपाउंडिंग की अनुमति, लेकिन ई-पोर्टल अपडेट नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ई-पोर्टल के अपडेट नहीं होने का खामियाजा इंदौर के हजारों लोगों को उठाना पड़ रहा है। राज्य शासन ने नगर निगम को स्वीकृत नक्शे से 30 प्रतिशत तक अधिक हुए निर्माण के कंपाउंडिंग की अनुमति तो दे दी, लेकिन ई-पोर्टल अब भी 10 प्रतिशत तक कंपाउंडिंग का विकल्प ही दिखा रहा है। इसके कारण आवेदक आनलाइन आवेदन ही नहीं कर पा रहे हैं।

नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि भवन अधिकारियों को आफलाइन आवेदन स्वीकारने के निर्देश दे दिए गए हैं, लेकिन कई जगह भवन अधिकारी आफलाइन आवेदन ही नहीं ले रहे। ऐसी स्थिति में नागरिक चाहकर भी कंपाउंडिंग नहीं करवा पा रहे हैं। नगर निगम को इसके कारण राजस्व का नुकसान भी हो रहा है।

शहर में हजारों लोग हैं जो नगर निगम की 30 प्रतिशत तक कंपाउंडिंग योजना का लाभ लेना चाहते हैं। वे इसके लिए निर्धारित कंपाउंडिंग शुल्क चुकाने को भी तैयार हैं, लेकिन ई-पोर्टल अपडेट नहीं होने से आवेदन ही नहीं हो पा रहे हैं। नगर निगम को कंपाउंडिंग योजना से 200 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है, लेकिन जब आवेदन ही नहीं हो सकेंगे तो राजस्व कैसे मिलेगा?

21 दिसंबर से आ रही दिक्कत

21 दिसंबर 2023 से ही नगर निगम का ई-पोर्टल गड़बड़ चल रहा है। इसके कारण आनलाइन सेवाएं बाधित हो गई हैं। हाल ही में पोर्टल चालू तो हो गया लेकिन यह अपडेट नहीं हो पा रहा है। पोर्टल वर्तमान वित्त वर्ष के बकाया संपत्ति कर की जानकारी तो दे रहा है, लेकिन पुराने रिकार्ड की जानकारी नहीं मिल पा रही। इस कारण संपत्तिकर जमा करने में भी लोगों को दिक्कत आ रही है।

आफलाइन आवेदन लेने के निर्देश

यह बात सही है कि ई-पोर्टल में दिक्कत के कारण 30 प्रतिशत कंपाउंडिंग की जानकारी अपडेट नहीं हुई है। हमने सभी भवन अधिकारियों से आफलाइन आवेदन लेने के लिए कहा है। इसके बावजूद अगर कोई भवन अधिकारी आफलाइन स्वीकार नहीं कर रहे हैं तो सूचना दें। कार्रवाई करेंगे।

- सिद्धार्थ जैन, अपर आयुक्त नगर निगम इंदौर

राज्य पात्रता परीक्षा में चार विषय और जुड़े अब 23 अप्रैल से भर सकेंगे फार्म

एमपीपीएससी ने आवेदन करने की तारीख आगे बढ़ाई, दिसंबर में होगी परीक्षा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने साल की पहली राज्य पात्रता परीक्षा 2024 (सेट) में विषयों की संख्या बढ़ा दी। चार अतिरिक्त विषय और जोड़ दिए है, जिसमें कम्प्युटर साइंस, रक्षा व रणनीति अध्ययन, संगीत और गृह विज्ञान विषय रखे है। अब 24 विषयों के लिए दिसंबर में परीक्षा रखी गई है। आयोग ने अतिरिक्त विषय में फार्म भरने की तारीख 23 अप्रैल से रखी है। अभ्यर्थी 9 मई तक बिना विलंब शुल्क आवेदन कर सकेंगे। आयोग ने परीक्षा से जुड़ी गाइडलाइन भी पोर्टल पर अपलोड कर दी। आवेदकों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातकोत्तर उत्तीर्ण होना रखी है।

राज्य पात्रता परीक्षा 2024 की पहली अधिसूचना में रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिन्दी, इतिहास, गृह विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, राजनीति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, मनोविज्ञान, संस्कृत, समाज शास्त्र, योग सहित विषय रखे थे। इन विषयों में अभ्यर्थियों को बिना विलंब शुल्क 21 मार्च से 20 अप्रैल तक का फार्म भरने का समय दिया है।

9 मई तक भरने होंगे फार्म- तीन दिन पहले आयोग ने विषयों की संख्या बढ़ा दी। करीब चार नए विषय जोड़ दिए है। इनमें आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों से 23 अप्रैल से 9 मई तक फार्म भरने के निर्देश दिए है। आयोग की गाइडलाइन के आधार पर सामान्य और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को पीजी में 55 व ओबीसी, एसटी-एससी उम्मीदवारों को पांच प्रतिशत की छूट देते हुए 50 प्रतिशत अंकों होने की बात कहीं है।

डीसीपी, यातायात प्रबंधन ने जब छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाया तो खिल उठे चेहरे

प्रेजेंटेशन के माध्यम से यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी

यातायात नियमो के पालन का संकल्प लिया

इंदौर। सन्मति हायर सेकंडरी स्कूल, रेसीडेंसी इंदौर में 10 वी से 12 वी तक के छात्र - छात्राओं के लिए यातायात जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डीसीपी, यातायात प्रबंधन अरविंद तिवारी, एसीपी मनोज कुमार खत्री जी व डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ अर्चना शर्मा, सहित स्कूल का स्टाफ व स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

छात्र छात्राओं में डीसीपी, यातायात प्रबंधन से मिलने की उत्सुकता दिखाई थी, बच्चो ने उन्हें देख कर जय हिंद के नारे लगाने लगे, बच्चो के चेहरे पर खुशी देखकर डीसीपी श्री तिवारी ने उन्हें गले लगा लिया। सडक़ सुरक्षा जागरूकता पर आयोजित इस कार्यक्रम में दसवीं से लेकर 12वीं तक के लगभग 300 से अधिक छात्र छात्रा मौजूद रहे।

डीसीपी ट्रैफिक ने अपने उद्बोधन में सडक़ सुरक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि जिस तरह हम दैनिक जीवन में अन्य नियमों व अनुशासन का पालन करते हैं, इसी तरह जब हम सडक़ पर उतरे तो यातायात के नियमों का पालन करें, सडक़ों पर यातायात को अनुशासित व सुव्यवस्थित बनाने में सहयोग प्रदान करें।

आप सभी देश का भविष्य है यदि आप नियमों को अभी से जानेंगे तो वाहन चलाते समय सावधानी भी बरतेंगे। उन्होंने छात्र छात्राओ से अपील की कि आप सभी अपने परिवार जनों व अन्य लोगों को भी यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें। आपके पेरेंट्स दोपहिया पर घर से निकले तो आप उन्हें हेलमेट पहनने को कहे। यदि चार पहिया पर सफर कर रहे है तो सीट बेल्ट धारण करने को कहे। जब भी वो नियमो का उल्लंघन करें तो उन्हें टोके। आपके द्वारा किया गया अनुरोध उन्हें नियम पालन के लिए विवश कर देगा।

एसीपी मनोज कुमार खत्री ने यातायात व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया। उन्होंने ट्रैफिक संकेत बोर्ड, ट्रैफिक सिग्नल, रोड मार्किंग, सडक़ दुर्घटनाओं के आंकड़े, वाहन चलाते समय रखी जाने वाली सावधानियां, वाहन चालकों द्वारा की जाने वाली गलतियों के बारे में जानकारी दी, लेन अनुशासन का महत्व बताया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से यातायात विषय पर सवाल- जवाब किये।

डीसीपी, यातायात प्रबंधन श्री अरविंद तिवारी, एसीपी मनोज कुमार खत्री व डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ अर्चना शर्मा, ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में चयनित अनमोल पटेल, चित्रांश श्रीवास्तव, नूपुर बालदी को रोड सेफ्टी चैंपियन मेडल' पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। यातायात पुलिस द्वारा ट्रैफिक अल्फाबेट्स कैलेंडर स्कूल प्रबंधन को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान यातायात प्रबंधन पुलिस एजुकेशन विंग की टीम, स्कूल प्रबंधन से ऑपरेशन मैनेजर प्रदीप जैन, मंच संचालक सुश्री कविश कौर गुलानी सहित स्टाफ मौजूद रहा। कृप्या जिम्मेदार नागरिक बनें, यातायात के नियमों का पालन कर, सावधानी से वाहन चलाएं, स्वयं सुरक्षित रहें व दूसरों को भी सुरक्षित रखें।

लुटेरी गैंग के चार आरोपी पकड़ाए

ड्रायवर को चाकू मारकर नकदी और मोबाइल लूटे थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ट्रेलर से रोड रोलर छोडने आए रतलाम के ड्रायवर को चाकू मारने वाले चार आरोपियों को राउ पुलिस ने गिरफ्तार लिया है। चारों आरोपी खजराना इलाके के रहने वाले हैं। आरोपियों से पुलिस को पिस्टल,चाकू और लूट के मोबाइल भी मिले हैं। पकड़ाए आरोपियों में एक बदमाश कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था।

डीसीपी विनोद मीना की टीम ने तीन दिन पहले पलास परिसर के सामने बायपास पर अब्दुल सलाम निवासी कलाईगर रतलाम को चाकू मारने वाले आरोपियों को बड़वानी के पास से दबोच लिया है। आरोपियों ने अब्दुल सलाम से मोबाइल और नकदी लूटा था। इसके बाद मौके से फरार हो गए थे। पुलिस लगातार सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल डाटा से इनकी तरफ बढ़ रही थी।

इस मामले में डीसीपी जोन 1 ने अलग अलग टीमें बनाई थी। जिसमें तेजाजीनगर,मल्हारगंज और एरोड्रम के खुफिया के जवानों को शामिल किया गया। टीमें लगातार आरोपियों के पीछे लगी रही। पुलिस ने एक ढाबे के पास से सभी को पकड़ लिया है। जिसमें कल्लू उर्फ बिल्ला, अयान, बशीर शेख ओर शाहिद को टीम ने दबोच लिया। सभी खजराना इलाके के रहने वाले हैं।

आरोपियों के पास से करीब आधा दर्जन लूट के मोबाइल,पिस्टल और चाकू मिले हैं। आरोपी बायपास और सुनसान इलाके में लूट की वारदातें करते थे। कल्लू पूर्व में लूट की वारदातों में शामिल रहा है। उसका अपराधिक रिकार्ड है। वह कुछ समय पहले ही जेल से छूटा है।

शातिर बदमाश अयाज अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खजराना पुलिस ने अयाज खान नामक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास` अवैध पिस्टल व दो जिंदा कारतूस जब्त किए। आरोपी अयाज खान दादागिरी बताने के लिए एवं शहर में आतंक मचाने के लिए पिस्टल रखता था। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी अयाज खान पिता अफजल खान निवासी 111 खजराना पैलेस खजराना को गिरफ्तार किया गया । आरोपी से मौके पर आरोपी से अवैध पिस्टल व दो जिंदा कारतूस कर आरोपी के विरुद्ध थाना खजराना पर अपराध क्रमांक 361 / 24 धारा 25,27 आम्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

साइबर अटैक से बचाव के पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी साइबर अटैक से बचाव के लिए पुख्ता प्रबंध कर रही है। बिलिंग, विद्युत वितरण, डाटा आदि को लेकर सजगता एवं भारत सरकार की गाइड लाइन के अनुसार कार्य किया जा रहा है।

प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि अप्रैल में कंपनी के अधिकारियों ने नई दिल्ली एवं मुंबई में अभा स्तर की ट्रेनिंग लेकर साइबर अटैक से बचाव को लेकर तौर तरीके समझे हैं। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि शुक्रवार को ऊर्जा सचिव व कंपनी के चेयरमैन श्री रघुराज एमआर ने भी इस दिशा में कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए है। श्री तोमर ने बताया कि साइबर सुरक्षा को लेकर गाइड लाइन के अक्षरशः पालन और नई दिल्ली, मुंबई में साइबर अटैक से बचाव के लिए दी गई ट्रेनिंग में उल्लेखित बातों, अनुशंसाओं का भी पालन किया जाएगा। प्रबंध निदेशक ने बताया कि कंपनी क्षेत्र में करीब साठ लाख उपभोक्ताओं के साथ ही अन्य विभागीय कार्यों की करोड़ों फाइलें, डाटा है, ऐसे में सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। श्री तोमर ने बताया कि इस संबंध में कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी शाखा के अधीक्षण यंत्री श्री सुनील पाटीदी को निर्देशित किया गया है।

पांच सटोरिए पकड़ाए, लाखों हिसाब मिला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने सुदामा नगर से शुक्रवार को आईपीएल क्रिकेट सट्टा पकड़ा। इस मामले में पांच आरोपियों को बंदी बनाया गया। इनसे लाखों रुपए के सट्टे का हिसाब किताब भी बरामद किया गया है।

एसीपी नंदनी शर्मा के मुताबिक अखिल पिता रमाकांत हडिया उम्र 35 साल निवासी 87 मिर्जापुर कॉलोनी तेजाजी नगर, मयंक पिता चंद्रप्रकाश लड़ा उम्र 35 साल निवासी 1171 खाती वाला टैंक, चयन पिता ललित सोनी उम्र 34 साल निवासी सुदामा नगर ,हिमांशु पिता जगदीश कुमार उम्र 34 साल निवासी 136 कालिंदी पार्क श्रीनगर एक्सटेंशन और अजय पिता नरेंद्र राठौड़ उम्र 32 साल निवासी 104 वृंदावन ग्रीन राव रंगवासा को क्रिकेट का सट्टा खाते पकड़ा। इनके कब्जे से 9 मोबाइल फ़ोन, 1 लेपटॉप, 1 टी वी, 1 माउस, 1 कीबोर्ड, 2 चार्जर, 1 सेटअप बॉक्स, 2 रजिस्टर हिसाब किताब लिखे, 1 केलकुलेटर जप्त किया जिसमें चयन सोनी शेयर मार्केट का कार्य करता है, हिमांशी इवेंट मैनेजमेंट है अजय राठौर इलेक्ट्रॉनिक डेकोर का काम करता है अजय लड़ा टेंट हाउस का अखिल फ्लावर डेकोरेशन का कार्य करता है।

बीजेपी की 340 शक्ति केंद्रों पर बैठक आयोजित

कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीय और सिलावट ने भी ली बैठक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव हेतु महा जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत 18 अप्रैल को इंदौर संसदीय क्षेत्र में आने वाले सभी 340 शक्ति केंद्रों पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें बूथ स्तर पर घर-घर संपर्क करके प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा किए गए कार्य, जन कल्याणकारी योजनाओं एवं देश हित में लिए गए निर्णयों को आम जनता तक पहुंचने के लिए कार्य योजना बनाई। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नंदानगर में शक्ति केंद्र क्रमांक 1, 2, 3 तथा वार्ड क्रमांक 25 एवं 27 में, कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट सांवेर विधानसभा के ओमेक्स सिटी में, सांसद प्रत्याशी शंकर लालवानी विधानसभा क्रमांक 5 के वार्ड 37 में, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे विधानसभा क्रमांक 5 के वार्ड 41 में, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा क्रमांक 4 वार्ड क्र. 82 के बूथ क्र. 81, 85, 86, 87, 88 में, विधायक रमेश मेंदोला विधानसभा क्रमांक 2 वार्ड 25 के शक्ति केंद्र क्रमांक 2 मे, गोलू शुक्ला विधानसभा क्रमांक 3 वार्ड 58 के शक्ति केंद्रों में, मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ ने विधानसभा क्रमांक 4 वार्ड 69 के शक्ति केंद्रों में, विधानसभा क्रमांक 5 में पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन वार्ड 42 की शक्ति केंद्रों पर, राऊ विधानसभा में प्रदेश उपाध्यक्षजीतू जिरती गुरु गोविंद सिंह मंडल के वार्ड 78 के शक्ति केंद्रों पर, विधायक मधु वर्मा वार्ड 74 की शक्ति केंद्रों पर और मनोज पटेल देपालपुर विधानसभा में पनेडिया शक्ति केंद्र में आयोजित बैठकों में सम्मिलित हुए।

बस से उतरते ही आ गई मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महू के अंतर्गत आने वाले महू इंदौर रोड पर स्थित किशनगंज नाके पर बसे से उतरे युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर 3 बजे करीब की है। यहां एक युवक पहले बस में से नीचे उतरा उतरते ही उसे खून की उल्टी होने लगी और वह औंधे मुंह नाली में जा गिरा। इस दौरान युवक की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने बताया युवक का नाम डैनी है, जो महू के किरवानी मोहल्ले में रहता है। युवक के भाई ने बताया उसे टीवी की बीमारी थी। बस से उतरते ही युवक खून की उल्टी करने लगा और एक दम नाली में जा गिरा युवक के मुंह पर भी चोट के निशान है। फिलहाल युवक के शव को बरामद कर लिया है पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा है मामले की जांच की जा रही है।

महाकाल की भस्म आरती की बुकिंग अब 3 महीने पहले

मई के पहले हफ्ते से होगी शुरू, तीन माह में एक ही बार मिलेगी परमिशन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। उज्जैन में भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होने के लिए भक्त 15 दिन नहीं बल्कि तीन महीने पहले बुकिंग करा सकते हैं। महाकाल मंदिर समिति इस व्यवस्था को मई के पहले हफ्ते से शुरू कर देगी।

महाकाल मंदिर में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। ज्यादातर भक्त सुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल होना चाहते हैं। लेकिन इसकी बुकिंग 15 दिन पहले ऑनलाइन या फिर एक दिन पहले ऑफलाइन करवाना पड़ती है। ऑनलाइन बुकिंग करवाने वाले भक्तों के साथ ये समस्या आती है कि उनकी बुकिंग होने के बाद ही वो उज्जैन आने का प्लान तैयार कर पाते थे। इसमें उन्हें समय कम मिलता था।

अब श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन कलेक्टर और महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नीरज सिंह ने भस्म आरती की ऑनलाइन प्रक्रिया में बदलाव का निर्णय लेते हुए इसे मई महीने से तीन महीने पहले खोलने का निर्णय लिया है।

तीन महीने में एक बार ही मिलेगी ऑनलाइन परमिशन

कलेक्टर नीरज सिंह ने बताया कि हम इस तरह डिजाइन कर रहे हैं कि एक आधार कार्ड एक बार उपयोग होगा। इसके बाद अगले तीन महीने तक उसे ऑनलाइन भस्म आरती की परमिशन नहीं मिल सकेगी। सॉफ्टवेयर खुद ही उसे पकड़ कर आधार को एक्सेप्ट नहीं करेगा। लोग इसका गलत उपयोग कर बार-बार बुकिंग न करें, इसके लिए ये व्यवस्था बना

रहे हैं।

एक दिन में 400 भक्तों को दी जाएगी परमिशन

ऑनलाइन भस्म आरती करने वालों के लिए तीन महीने पहले लिंक खुल जाएगी, जो भी श्रद्धालु फॉर्म जमा करेगा, उसे एक रिफरेंस नंबर अलॉट होगा। एक दिन बाद श्रद्धालु के पास कन्फर्मेशन लिंक जाएगी, जिसको फील करके प्रति व्यक्ति 200 रुपए जमा कर अपनी बुकिंग करवा सकेगा। ऑनलाइन के माध्यम से एक दिन में 400 भक्तों के लिए परमिशन दी जा सकेगी।

बाद में 6 महीने पहले बुकिंग की व्यवस्था करेंगे

महाकाल मंदिर समिति के अध्यक्ष और कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा कि तीन महीने वाला प्लान सक्सेस होगा तो इसे बढ़ाकर 6 महीने कर दिया जाएगा। ताकि घर बैठे भक्त अपने हिसाब से पहले मंदिर की भस्म आरती बुक कर ले, बाद में अपने रेल बस या हवाई टिकट की बुकिंग करा सकें। जल्द ही महाकाल मंदिर की वेबसाइट को अपडेट कर इसे 1 मई से शुरू कर दिया जाएगा।

एक ही मोबाइल नंबर भी नहीं चलेंगे

कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा कि न सिर्फ आधार कार्ड बल्कि एक ही मोबाइल नंबर को बार-बार उपयोग कर भी ऑनलाइन परमिशन नहीं मिल पाएगी। परमिशन बुक करवाने वाले का मोबाइल नंबर के साथ-साथ भस्म आरती में शामिल होने वाले भक्तों के मोबाइल तय सीमा में दोबारा उपयोग नहीं कर पाएंगे

भस्म आरती के लिए अभी ये व्यवस्था

भस्म आरती की परमिशन ऑफलाइन और ऑनलाइन के माध्यम से होती है। ऑफलाइन परमिशन के लिए भक्तों को एक दिन पहले मंदिर में टिकट विंडो पर पहुंचकर अपनी अनुमति लेना होती है जो निशुल्क रहती है। इसके साथ ही ऑनलाइन के माध्यम से होने वाली परमिशन के लिए श्रद्धालु मंदिर की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन परमिशन करवा सकते है। जिसके लिए 200 रुपए शुल्क देना होता है। साथ ही प्रोटोकॉल में भी भक्तों को परमिशन मिलती है। जिसमें अधिकारी, राजनेता, मंत्री, विधायक, सांसद और मीडिया का अलग-अलग कोटा है।

बसपा सुप्रीमों ने रीवा में की जनसभा-मायावती बोलीं-

हमें कर्ज अदा करना है..हमनें नमक खाया है मोदी जी का..इस चक्कर में गुमराह नहीं होना है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रीवा। बसपा सुप्रीमों मायावती शुक्रवार को रीवा पहुंची। रीवा में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। जहां उन्होंने लोगों से बसपा प्रत्याशी को वोट देने की अपील की। जनसभा में उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही लोगों को ठगने का काम किया है। इसलिए हमारी पार्टी ने किसी के साथ गठबंधन नहीं किया है। हम दलित,आदिवासी,पिछड़ा वर्ग और मुस्लिम के दम पर चुनाव लड़ रहे हैं।

मायावती ने रीवा में कहा कि भाजपा गरीब लोगों को गुमराह करती है। भाजपा से जुड़े हुए लोग जब जनता के पास जाते तो वे कहते हैं कि हमारी सरकार मुफ्त राशन दे रही है। जबकि जनता के टैक्स के पैसे से ही लोगों को ये सुविधाएं दी जाती हैं। इसलिए हमें कर्ज अदा करना है....हमने नमक खाया है मोदी जी का...इस चक्कर में गुमराह नहीं होना है।

उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टियों ने हवा-हवाई वचन पत्र जारी किए हैं। केंद्र और राज्यों में अब ज्यादातर काम प्राइवेट सेक्टर के जरिए किए जा रहे हैं। जिसमें आरक्षण का ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

बाल विवाह रुका तो नहीं हो पाई आटा-साटा प्रथा

प्रशासन ने नाबालिगों की शादी रुकवाई, लड़के की बहन की शादी लड़की के भाई से होनी थी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना। देर रात प्रशासन ने गुना के गढ़ा गांव में एक बाल विवाह रुकवा दिया। लडक़े और लडक़ी की उम्र के कोई दस्तावेज परिवार वाले पेश नहीं कर पाए। प्रशासन ने दोनों को नाबालिग मानते हुए शादी रुकवा दी। अब इस मामले में आटा-साटा प्रथा की बात भी सामने आई है। लडक़ी के भाई की शादी लडक़े की बहन से होनी थी। इस शादी के रुकने से उनकी शादी भी रुक गई। शादी रुकने से लडक़े के घरवाले अब उनकी लडक़ी की शादी भी नहीं करा रहे हैं। बता दें कि गढ़ा गांव में मोंगिया परिवार की लडक़ी की शादी कुंभराज इलाके के लडक़े से तय हुई थी। गुरुवार को शादी होनी थी। शादी की पूरी तैयारियां हो गईं थी। मंडप सज गया था। नाते रिश्तेदार शादी में शामिल होने के लिए पहुंच गए थे। शादी के गीत गाए जा रहे थे। कुंभराज से लडक़ा बारात लेकर भी आ गया था। लेकिन इसी बीच प्रशासन को सूचना मिली कि गांव में बाल विवाह हो रहा है।

सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग और झागर चौकी पुलिस की संयुक्त टीम गांव में पहुंच गई। टीम ने पहुंचकर लडक़े से उम्र के दस्तावेज मांगे तो वह नहीं दिखा पाया। लडक़े के भाई ने कहा कि घर पर कोई नहीं है और वे कोई दस्तावेज नहीं लेकर आए। टीम ने कहा कि व्हाट्सएप पर मंगा लो, लेकिन उन्होंने कहा कि घर में कोई नहीं है। वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। टीम ने वहीं पंचनामा बनाया। इसी तरह लडक़ी के भी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह भी कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। टीम ने शादी रुकवा दी। पुलिस ने भी परिवार वालों को बताया कि ये कानूनन गलत है। शादी कराई तो कानूनी करवाई होगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरबी गोयल ने बताया कि गढ़ा गांव में बाल विवाह की सूचना मिली थी। सुपरवाइजर शारदा शर्मा के नेतृत्व में टीम भेजी गई। टीम ने दस्तावेज मांगे, लेकिन परिवार वाले उम्र से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाए। टीम ने बाल विवाह रुकवा दिया।

लडक़ी के भाई की शादी भी नहीं हो पाई

इस मामले में आटा साटा प्रथा की बात भी सामने आ रही है। लडक़ी के परिवार वालों ने बताया कि उनकी लडक़ी की शादी कुंभराज इलाके के लडक़े से तय हुई थी। इसके एवज में लडक़े की बहन की शादी लडक़ी के भाई से होनी थी। आज बारात जानी थी। लडक़ी की शादी रुकवा दी गई। अब ऐसे में लडक़े के परिवार वाले दूसरी शादी भी नहीं कर रहे हैं। लडक़ी के परिवार वालों ने बताया कि लडक़े वालों ने कहा कि जब तक ये शादी नहीं होगी, वो दूसरी शादी भी नहीं कराएंगे। जब तक उनके लडक़े के फेरे नहीं पड़ेंगे, वह हमारे लडक़े के फेरे नहीं कराएंगे।

पसंद नहीं आई दूल्हे की शक्ल, लौटा दी बारात

लड़की ने जयमाला फेंक दी बोली-नहीं करूंगी शादी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। ग्वालियर में शादी में अचानक दुल्हन का मूड खराब हो गया। असल में जैसे ही स्टेज पर जयमाला लेकर लडक़ी आई और दूल्हे का चेहरा देखा तो वह उखड़ गई। दूल्हे का चेहरा पसंद नहीं आने पर शादी करने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं समझाने पर दुल्हन ने जयमाला फेंक दी। वर-वधु पक्ष के लोगों ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन लडक़ी शादी करने को तैयार ही नहीं हुई। उसका कहना था उसे जो फोटो दिखाया गया था उसमें लडक़ा अलग था। जिस पर वहां विवाद की स्थिति बन गई। हंगामा बढ़ा तो उटीला थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। उटीला थाना प्रभारी शिवम राजावत ने भी लडक़ी को समझाया, लेकिन वह सुनने को ही तैयार नहीं थी। आखिर में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से रिश्ता तोडऩा स्वीकार करते हुए उटीला थाना में लिखित राजीनामा पेश किया है। पर अब यह अनोखा किस्सा पूरे शहर में चर्चित हो रहा है।

उत्तर प्रदेश आगरा के अचनेरा निवासी 22 वर्षीय ममता पुत्री अचल सिंह की सगाई उटीला निवासी अनिल सिंह पुत्र रामेश्वर चौहान के साथ हुई थी। गुरुवार (18 अप्रैल) को दोनों की शादी का संयुक्त कार्यक्रम उटीला में हो रहा था। सभी रस्में हंसी खुशी चल रही थीं। रात करीब 10 बजे बारात आई और दूल्हा का दुल्हन के परिजन ने दरवाजे पर टीका किया और स्टेज पर लेकर आए। दूल्हा स्टेज पर जा बैठा और अपनी दुल्हन का इंतजार करने लगा। दुल्हन अपनी सहेलियों के साथ नजरें झुकाए स्टेज पर पहुंची। वह अपनी सहेलियों के साथ स्टेज पर जयमाला दूल्हें के गले में डालने के लिए पहुंची ही थी कि उसकी नजर दूल्हे पर गई। दूल्हे की शक्ल पसंद नहीं आने पर उसने जयमाला डालने से इनकार कर दिया। दुल्हन का इनकार सुनते ही शादी के पंडाल में खामोशी छा गई। दुल्हन की सहेली व रिश्तेदार उसे समझाने लगे, लेकिन उसने शादी से इनकार कर दिया।

मनाने जुटे रिश्तेदार, टस से मस नहीं हुई लडक़ी

जयमाला ना डालने का पता चलते ही दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोग लडक़ी को समझाने जा पहुंचे और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन दुल्हन टस से मस नहीं हुई और शादी से इनकार कर दिया। इस पर वहां दोनों पक्षों में गर्मागर्मी हो गई। दुल्हन का कहना था कि शादी के लिए विवश किया तो वह अपनी जान दे देगी।

हंगामे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। दुल्हन ने बताया जो फोटो उसे दिखाई थी उसमें लडक़ा अलग था और उसकी सिर्फ फोन पर बात हुई है। इस लडक़े से वह बिल्कुल भी शादी नहीं करेगी। इससे शादी करने से अच्छा वह मरना पसंद करेगी।

संपादकीय

आतंक फैलाने की कोशिश

आए दिन सरकार आतंकवाद का सामना करने और उसका खात्मा करने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरतने और आतंकियों का असर कम होने का दावा करती है। निश्चित रूप से आतंकियों पर नकेल कसने में मदद मिली है। आतंकवादी संगठनों को अब पहले के मुकाबले स्थानीय लोगों का संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है। दरअसल पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच आतंकियों पर शिकंजा कसा है। इसकी वजह से आतंकवादियों के बीच हताशा की स्थिति साफ देखी जा सकती है। शायद यही वजह है कि अब आतंकियों ने पहचान तय करके किसी साधारण व्यक्ति को मार डालने की नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है, ताकि सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जा सके। मगर उनकी ऐसी बर्बरता और अपनी मंशा को पूरा करने के लिए मानवीयता के खिलाफ हर हद को पार करने की हरकतों से उनकी हकीकत का पता चलता है। वरना क्या कारण है कि वहां अन्य राज्य से आकर कोई छोटा-मोटा काम करके गुजारा करने वाले गरीब लोगों या मजदूरों को भी मार डालने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। हालांकि आतंकवाद की जिस दृष्टि के साथ वे काम करते हैं, उसमें उनकी इस तरह की अमानवीय हरकतों पर हैरानी नहीं होती। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर लक्षित हत्या की घटना को अंजाम दिया। बुधवार को बिजबेहरा इलाके के जबलीपोरा में आतंकियों ने एक मजदूर को नजदीक से गोली मार दी। मारा गया व्यक्ति बिहार से वहां जाकर मजदूरी और अन्य काम करता था। केवल इस वर्ष निशाना बना कर किसी व्यक्ति को मार डालने की यह तीसरी घटना है। पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच हताश आतंकियों ने अब राज्य के बाहर से आकर गुजारा करने वाले लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि उनका मकसद राजनीतिक नहीं है, बल्कि हिंसा और निर्दोष या मासूम लोगों की हत्या के जरिए आतंक फैलाना ही उनकी राजनीति है। यह वारदात जिस अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में हुई, वहां सात मई को तीसरे चरण के तहत मतदान होना है और उम्मीद की जा रही है कि वहां लोग अपने मताधिकार का खुल कर प्रयोग करेंगे। जाहिर है, बिहार से जम्मू-कश्मीर जाकर मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हत्या दरअसल स्थानीय लोगों के बीच भी दहशत फैलाने की कोशिश है, ताकि लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोका जा सके।

चला ससुराल

बहुत समय पहले की बात है एक गांव में शेखचिल्ली नाम का एक युवक रहता था। उसके पिता का बचपन में ही देहांत होने के बाद उसकी मां ने उसे अकेले ही पाल-पोसकर बड़ा किया था। शेखचिल्ली बेहद चुलबुले स्वभाव का था, लेकिन दिमाग से मूर्ख था। एक तो वह और उसकी मां गरीबी में दिन काट रहे थे और ऊपर से उसकी मूर्खता के कारण उसकी मां को आए दिन लोगों की जली कटी बातें सुननी पड़ती थी। लोगों के तानों से परेशान होकर एक दिन शेखचिल्ली की मां ने उसे घर से निकाल दिया।

घर से निकाले जाने के बाद उसके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं था। कुछ दिनों तक यूं ही भटकते-भटकते वह पड़ोस के दूसरे गांव में जा पहुंचा। गांव के लोगों से वहां रहने के लिए अनुमति लेकर उसने गांव के पास ही अपने लिए एक झोपड़ी बना ली।

शेखचिल्ली का स्वभाव बेहद नटखट व चुलबुला था, इसलिए देखते ही देखते वह गांव वालों से घुल-मिल गया। गांव के सभी लोग उसे खूब पसंद करने लगे। शेख गांव वालों का छोटा-मोटा काम कर देता और उसके बदले में वे उसे राशन व अन्य सामान देते, जिससे उसका गुजारा चल जाता। शेखचिल्ली बातें बनाने में भी माहिर था इसलिए गांव के कुछ लड़के उसके शागिर्द की तरह हमेशा उसके आगे-पीछे घूमते रहते थे।

उस गांव के मुखिया की एक बेटी थी, जो देखने में बेहद सुंदर थी। शेखचिल्ली की बातों और उसकी लोकप्रियता से प्रभावित होकर मुखिया की बेटी उसे पसंद करने लगी थी। अपनी बेटी की इच्छा को देखते हुए मुखिया ने शेखचिल्ली से उसकी शादी करा दी और साथ में संदूक भर कर आभूषण, रुपए व अन्य सामान देकर बेटी को विदा किया।

शादी के बाद अपनी पत्नी को लेकर शेखचिल्ली अपने गांव लौट आया और सीधे अपनी मां से मिलने घर पहुंचा। उसने मां को पूरी कहानी सुनाते हुए अपनी पत्नी को मां से मिलवाया और शादी में मिले सारे सामान को उन्हें सौंप दिया। शेखचिल्ली की मां ने दोनों का घर में खुशी-खुशी स्वागत किया, लेकिन मन ही मन में वह जानती थी कि शेख कोई काम नहीं जानता और मुखिया की बेटी से उसकी शादी किस्मत से हुई है।

इसी तरह कई महीने बीत गए और एक दिन शेखचिल्ली की पत्नी अपने मायके वालों से मिलने अपने गांव चली गई। देखते ही देखते उसकी पत्नी को मायके गए हुए एक साल से अधिक समय बीत गया, लेकिन न तो वह वापस आई और न ही कोई संदेश भेजा। शेखचिल्ली को अब पत्नी की चिंता सताने लगी थी। ऐसे में उसने अपनी मां से कहा कि वह अपनी पत्नी को वापस लाने जाना चाहता है। साथ ही उसने कहा कि वह अपने ससुराल जाने का रास्ता भूल गया है। उसने मां से गुजारिश की कि वह उसे उसकी पत्नी के गांव पहुंचने का रास्ता बताए। उसकी मां जानती थी कि शेखचिल्ली मूर्ख है, इसलिए उसने उससे कहा कि 'अगर तू अपनी नाक की सीध में सीधा चलता जाएगा, तो अपने ससुराल पहुंच जाएगा और इस दौरान तुझे यहां-वहां नहीं मुड़ना है।'

शेखचिल्ली की मां ने रास्ते के लिए कुछ खाने का सामान गठरी में बांध दिया और उसे ससुराल की ओर विदा किया। अपनी मां के कहे अनुसार वह अपनी नाक की सीध में चलता गया। रास्ते में उसे कई चट्टान, झाड़ियां व पेड़ और एक नदी मिली, जिन्हें उसने बिना अपना रास्ता मोड़े बड़ी मुश्किल से पार किया। इसी तरह चलते-चलते 2 दिन बाद शेखचिल्ली अपने ससुराल पहुंच ही गया।

उसके ससुराल पहुंचने पर सभी लोग बड़े खुश हुए और उसका स्वागत करने लगे। उसके ससुराल वालों ने उसे खाने-पीने के लिए कई पकवान व शीतल पेय परोसे। इतना सबकुछ सामने होने के बाद भी उसने किसी को हाथ भी न लगाया और अपनी मां द्वारा गठरी में बांधे खाने को ही खाया, क्योंकि उसकी मां ने उसे केवल वही खाने के लिए कहा था।

उसके बाद शेखचिल्ली ऐसे ही खाली पेट सो गया था, लेकिन रात को उसे जोरों की भूख सताने लगी। जब भूख सहन से बाहर होने लगी तो वह रात को ही घर से बाहर निकल गया और एक मैदान के पास पेड़ के नीचे लेट गया। उस पेड़ पर मधुमक्खियों ने छत्ता बनाया हुआ था, जिससे शहद की बूंदे टपक रही थीं। शेखचिल्ली करवटें बदल-बदल कर पेड़ के नीचे ही सोता रहा और शहद की बूंदें उसके शरीर पर टपकती रहीं।

देर रात को परेशान होकर वह उठकर वापस अपने ससुराल पहुंचा और घर के पास ही बनी एक कोठरी में जाकर सो गया। कोठरी में रुई के गोले रखे थे, जो शेखचिल्ली के पूरे शहद लगे शरीर से चिपक गए। रुई की गर्माहट से उसे जल्द ही गहरी नींद आ गई। सुबह जब शेख की पत्नी रुई लेने के लिए कोठरी में घुसीं तो रुई में लिपटे शेखचिल्ली को देखकर वह डर गई और जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। चीखने की आवाज सुनकर शेख की नींद टूट गई और वह जोर से उसे डांटते हुए 'चुप, चुप' कहने लगा। उसकी आवाज सुनते ही उसकी पत्नी कोठरी से बाहर भाग गई और शेख दोबारा सो गया।

कुछ देर बाद उसकी पत्नी ने परिवार के अन्य लोगों को भी बुलाकर कोठरी में ले आई। कोठरी में रुई में लिपटा शेखचिल्ली बेहद डरावना लग रहा था। घरवालों ने एकजुट होकर उससे पूछा कि वह कौन है, तो शेखचिल्ली दोबारा जोर-जोर से 'चुप, चुप' चिल्लाने लगा। घरवालों को लगा कि वह कोई भूत है और सभी वहां से दुम-दबाकर भाग निकले।

घरवालों ने शेखचिल्ली, जिसे वे भूत समझ रहे थे उसे कोठरी से भगाने के लिए एक ओझा को बुलाया। ओझा द्वारा काफी देर तक तंत्र-मंत्र करने पर भी जब कोठरी से वह बाहर नहीं निकला, तो ओझा ने मुखिया के परिवार को जल्द से जल्द घर खाली करने और किसी दूसरे मकान में जाने की सलाह दी। ओझा की बात मानकर सभी घरवाले तुरंत दूसरे घर में चले गए और उसे खाली कर दिया।

दिन में तो शेखचिल्ली कोठरी से बाहर नहीं निकल पाया, तो रात होते ही वह कोठरी से बाहर भाग निकला। भागते हुए वह एक किसान के घर के पास पहुंचा, जिसके आंगन में बहुत सारी भेड़ें बंधी हुई थीं। शेखचिल्ली को अंधेरे में कोई आता दिखाई दिया तो वह छिपने के लिए भेड़ों के बीच बैठ गया। जिन्हें देखकर शेखचिल्ली छिपा था वो दरअसल चोर थे, जो किसान की भेड़ें चुराने आए हुए थे। चोरों ने एक-एक कर कई भेड़ों को उठाया और आंगन से निकल कर जाने लगे। उनमें से एक चोर ने रूई में लिपटे शेखचिल्ली को भेड़ समझकर उसे भी कंधे में उठा लिया और चलता बना।

भेड़ों को लेकर भागते हुए चोर नदी के पास पहुंचे इतने में सुबह होने लगी, तो चोर भेड़ों को वहीं छोड़कर भागने लगे। इतने में चोर के कंधे पर लेटा शेखचिल्ली कहने लगा कि मुझे जरा धीरे से उतारना। भेड़ को बोलता समझकर चोरों को लगा कि वह जरूर कोई दैत्य है, जो भेड़ का रूप धारण किए हुए है। चोर डर के मारे शेखचिल्ली को नदी में फेंक कर वहां से भाग गए।

नदी के पानी से शेखचिल्ली के शरीर पर चिपकी हुई रूई और शहद पूरी तरह से धुल गया। खुद को पानी में अच्छे से साफ कर वह सीधा अपने ससुर के पास पहुंचा और अंजान बनकर उनसे पुराने घर को खाली करने का कारण पूछने लगा। मुखिया ने उसे 'चुप-चुप' वाले दैत्य की पूरी बात बताई। मुखिया की बात सुनकर शेखचिल्ली मन ही मन में बहुत खुश हुआ और अपने ससुर से कहने लगा कि वह उस घर से भूत को भगा सकता है।

शेखचिल्ली की बात मानकर मुखिया पूरे परिवार के साथ पुराने घर में पहुंचा। जहां शेख कोठरी के सामने भूत को भगाने के लिए मंत्रोच्चारण करने का नाटक करने लगा। कुछ देर बाद उसने अपने ससुर से कहा कि वह भूत अब यहां से भाग गया है और वेलोग फिर से इस घर में रह सकते हैं। उसकी बातें सुनकर मुखिया बेहद खुश हुआ और पूरा परिवार दोबारा से अपने घर लौट आया। मुखिया व उसके परिवार ने शेखचिल्ली की बड़ी खातिरदारी की।

ससुराल में कई दिन बिताने के बाद शेखचिल्ली ने एक दिन अपने ससुर से कोई कारोबार करने की इच्छा जताई। उसकी बात सुनकर उसके ससुर ने उसे जंगल से लकड़ियां लाकर व्यापार करने के लिए एक बैलगाड़ी खरीद कर दी। शेखचिल्ली जब लकड़ियां लेने के लिए जंगल जाने लगा तो रास्ते में उसकी बैलगाड़ी के पहिए से घर्षण की आवाज आने लगी। उसे लगा कि पहले ही दिन बैलगाड़ी आवाज कर रही है तो यह जरूर कुछ बुरा होगा। इसलिए उसने अपने आरी से बैलगाड़ी के पहियों को काटकर फेंक दिया और पैदल जंगल की ओर चल पड़ा। जंगल में शेखचिल्ली ने काटने के लिए मोटे पेड़ को चुना। पेड़ के तने भी काफी मोटे-मोटे थे तो उसे काटने के लिए वह पेड़ के ऊपर चढ़ गया। अपनी मूर्खता की वजह से वह जिस डाल पर बैठा था उसे ही काटने लगा। इतने में एक बुजुर्ग शख्स जो जंगल के रास्ते से गुजर रहा था, शेखचिल्ली को देखकर रूक गया। उसने उसे आवाज देते हुए कहा कि वह डाल को न काटे वरना वह भी नीचे गिर जाएगा। शेख ने उस आदमी की बात को सुनकर भी अनसुना कर दिया और जोर-जोर से डाल काटने लगा। कुछ देर बाद डाल के साथ वह भी जमीन पर गिर गया।

शेखचिल्ली को लगा कि वह बुजुर्ग जरूर कोई अंतर्यामी है जिसे भविष्य दिखाई देता है। उसने बुजुर्ग से पूछा कि क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मेरी मौत कब होगी? उस बुजुर्ग ने शेख को बहुत समझाने की कोशिश की, लेकिन जब उसे लगा कि वह ऐसे पीछा नहीं छोड़ेगा, तो उसने पीछा छुड़ाने के लिए उससे कहा कि 'तेरे भाग्य में आज शाम को ही मरना लिखा है।'

बुजुर्ग की बात सुनकर शेखचिल्ली डर गया और सोचने लगा कि अगर आज शाम को मुझे मरना ही है तो क्यों ना मैं पहले ही अपने लिए कब्र खोद लूं और मौत का इंतजार करूं। ऐसा सोचकर उसने जंगल में ही एक बड़ा सा गड्ढा खोद लिया और उसमें लेटकर शाम होने का इंतजार करने लगा। इतने में शेखचिल्ली को वहां से एक शख्स गुजरता दिखाई दिया जिसके हाथ में एक बड़ा सा मटका था। वह आदमी आवाज लगाते जा रहा था कि अगर कोई व्यक्ति मटके को उसके घर तक पहुंचा देगा तो वह उसे पैसे देगा।

शख्स की आवाज सुनकर शेखचिल्ली जल्दी से गड्ढे से बाहर निकला और उससे कहा कि वह मटके को उसके घर तक छोड़ देगा। उस व्यक्ति ने भी मटका शेख को पकड़ा दिया और दोनों जंगल से बाहर निकलने लगे। मटके को सिर पर उठाए शेखचिल्ली सोचने लगा कि इस मटके को शख्स के घर पहुंचाने के बाद अगर उसे 1 पैसा भी मिलता है, तो वह उससे एक अंडा खरीदेगा।

शेखचिल्ली सोचने लगा कि उस एक अंडे से मुर्गी पैदा होगी और मुर्गी जो अंडे देगी उससे दर्जनों अंडे फिर दर्जनों मुर्गियां होंगी। उन्हें बेचकर वह एक बकरी खरीद लेगा। बकरी दूध के साथ-साथ कई बकरियों को पैदा करेगी, जिन्हें बेचकर वह एक गाय खरीद लेगा और एक गाय से उसके पास दर्जनों गाय हो जाएंगी। शेखचिल्ली ने अपने ख्यालों में ही गायों को बेचकर घोड़े खरीदने और फिर उन्हें बेचकर मिले रुपए से मकान बनाने की योजना बना ली।

शेखचिल्ली सोचने लगा, "मैं घोड़े पर सवार होकर बड़े ठाठ से नगर की सैर करूंगा। हमारे नए घर में मैं और मेरी पत्नी और हमारे हमारे बच्चे रहेंगे। मैं ठाठ से घर के आंगन में बैठकर हुक्का पिउंगा और बच्चे जब मुझे खाना खाने के लिए बुलाएंगे तो मैं ना में सिर हिला दूंगा।" अपने ख्यालों की दुनिया में ही खोए शेखचिल्ली ने जैसे ही ना करते हुए जोर से सिर हिलाया मटका उसके सिर से जमीन पर गिरकर टूट गया। मटके के टूटते ही उसके अंदर का सारा सामान मिट्टी में बिखर गया। यह देखकर उस व्यक्ति को बहुत गुस्सा आया और उसने शेख को खूब भला बुरा कहा और बिना पैसे दिए वहां से चला गया। शेखचिल्ली काफी देर तक सिर पकड़े जमीन पर टूटे मटके को देखते हुए अपने टूटे सपने के बारे में सोचता रहा।

कहानी से सीख

कभी भी किसी चीज के लालच में आकर ख्याली पुलाव नहीं पकाने चाहिए। किसी चीज को पाने का लालच और मेहनत न करने से कुछ हासिल नहीं होता, बल्कि उल्टा और नुकसान ही होता है।

Odisha

ओडिशा की महानदी में बड़ा हादसा... 50 लोगों को लेकर जा रही नाव पलटी, 4 की मौत, कई लापता, रेस्क्यू जारी

झारसुगुड़ा, (एजेंसी) ओडिशा के झारसुगुड़ा में कल शुक्रवार की शाम बड़ा हादसा हो गया. यहां महिलाओं और बच्चों समेत लगभग 50 यात्रियों को लेकर जा रही नाव महानदी में पलट गई. इस घटना में 4 की मौत हो गई है. वहीं अभी कुछ लोग लापता भी हैं. मौके पर राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है. मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मृतक के परिवार को 4 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की है.

एजेंसी के अनुसार, डीजी फायर सुधांशु सारंगी ने बताया कि रेस्क्यू अभियान जारी है. हमारे पास स्कूबा गोताखोर हैं. दो स्पेशलिस्ट स्कूबा गोताखोरों को पानी के नीचे कैमरों के साथ भेजा है. रेस्क्यू के लिए झारसुगुड़ा

पहुंचने के लिए भुवनेश्वर से तत्काल टीम को भेजा जा रहा है.

यह घटना झारसुगुड़ा के लखनपुर ब्लॉक के अंतर्गत सारदा के पास महानदी नदी में हुई है. यहां एक नाव बच्चों और महिलाओं को लेकर जा रही थी, जो किसी कारण से पलट गई. इस घटना में 4 की मौत हुई है, वहीं कुछ लोग लापता हैं, जिनका अभी तक कोई पता नहीं चला है, जिससे उनके परिजन बेहाल हैं.

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बरगढ़ जिले के बांधीपाली क्षेत्र से नाव यात्रियों को लेकर जा रही थी. जब नाव पलटी, उस समय कुछ स्थानीय मछुआरे मौजूद थे, जिन्होंने साहस दिखाकर 40 से अधिक लोगों को बचा लिया. वहीं जो लोग अब तक लापता हैं, रेस्क्यू टीम उनका पता लगाने में जुटी है.

Uttarpradesh

मैनपुरी में भीषण सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से 4 महिलाओं की मौत, 2 दर्जन लोग घायल

मैनपुरी, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में भोगांव में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रक ने सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 20 से 25 लोग घायल हैं। घटना से ट्रैक्टर सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर टक्कर के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया।

जनपद कन्नौज के थाना छिबरामऊ क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुर कंडोली निवासी वीरेंद्र सिंह की पुत्री की शादी बिछवां थाना क्षेत्र के ग्राम बेलधारा में हुई थी। लड़की के लड़का हुआ था। जिसके कार्यक्रम में कुंवरपुर से ट्रैक्टर ट्राली में महिलाएं लोग बेलधारा गांव शुक्रवार को गए थे। शनिवार की सुबह 4 बजे वापस लौटते समय ट्रैक्टर ट्राली की लाइट खराब हो गई। जिससे ट्रैक्टर चालक हाईवे पर एक किनारे ट्रैक्टर खड़ा कर दिया और लाइट सही करने लगा। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक संख्या (यूपी 13 एटी 4532) के चालक ने टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर ट्राली अलग होकर सड़क के किनारे पलट गए। ट्राली पलटने से 42 वर्षीय संजय पत्नी राजेश, 45 वर्षीय कांति पत्नी दफेदार, 48 वर्षीय फूलन देवी पत्नी अवधेश, 56 वर्षीय रीता उर्फ द्रौपदी पत्नी सुनील की मौके पर मौत हो गई। घटना में 20 से 25 लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया।

Punjab

रंजिश के चलते संगरूर जेल में खूनी झड़प, दो कैदियों की मौत; तीन बुरी तरह जख्मी

चंडीगढ़, (एजेंसी) पंजाब के संगरूर जेल में कैदियों के दो गुट आपस मे भिड़ गए। इस हिंसक झड़प में दो कैदियों की मौत हो गई है। यह घटना शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे की है जब कैदी अपनी बैरक में सोने के लिए जा रहे थे तभी पुरानी रंजिश के चलते आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है एक गुट ने दूसरे गुट पर कटर से हमला किया, जिसमें दो कैदी बुरी तरह लहूलुहान हो गए।

जेल पुलिस खून से लथपत दो कैदियों को जब इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंची तो वहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है दो गुटों की इस हिंसक झड़प में तीन कैदी बुरी तरह जख्मी है जिनका इलाज चल रहा है। इन जख्मी कैदियों को पटियाला के राजेंद्र मेडिकल हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

संगरूर जेल प्रशासन के मुताबिक जिन दो कैदियों की मौत हुई है उनकी पहचान हर्ष और धर्मेंद्र के रूप में हुई है। जबकि घायलों में गगनदीप सिंह, मुहम्मद हारिश और सिमरन के रूप में हुई है। पुलिस विभाग के सूत्रों के मुताबिक जेल में ये झड़प किसी गैंग के आदेश पर हर्ष और धर्मेंद्र को जान से मारने के मकसद से ही हुई।

Uttarpradesh

भूखा मर रहा पाकिस्तान, भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री अनाज: योगी आदित्यनाथ

अमरोहा, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लगो भूख से लड़ रहे हैं, वहीं भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने यह भी कहा कि भगवा पार्टी का नारा ''फिर एक बार मोदी सरकार'' पूरे देश में गूंज रहा है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में अमरोहा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कंवर सिंह तंवर के समर्थन में आयोजित रैली में योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह बात कही है।

उन्होंने कहा, "पाकिस्तान की आबादी मुश्किल से 23-24 करोड़ है। 1947 में विभाजन के बाद बना था। आज भूख से पीड़ित है। एक तरफ पाकिस्तान है और दूसरी तरफ भारत है, जहां 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देने का वादा है।" आपको बता दें कि भाजपा ने अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में अगले पांच वर्षों तक देश के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देना जारी रखने का वादा किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'हर तरफ से एक ही नारा सुनाई दे रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार'। उन्होंने अमरोहा में पीएम मोदी का स्वागत करते हुए देश में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए उनकी सराहना की।

आपको बता दें कि अमरोहा में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। तंवर ने 2014 में अमरोहा सीट जीती, लेकिन 2019 में दानिश अली से हार गए। दानिश अली उस समय बीएसपी में थे। इस चुनाव में वह कांग्रेस के टिकट पर अमरोहा सीट से मैदान में हैं।

खेल

राहुल-डिकॉक की शतकीय साझेदारी ने चेन्नई को किया चित्त

जीत की हैट्रिक लगाने से चूकी सीएसके

लखनऊ, (एजेंसी) लखनऊ सुपरजाएंट्स के कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डिकॉक ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और पांच बार की चैंपियन टीम को अपने होम ग्राउंड पर चित्त कर दिया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए हुई शतकीय साझेदारी के दम पर लखनऊ सुपरजाएंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से हराया। लखनऊ को पिछले दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम जीत की पटरी पर लौटने में सफल रही।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रवींद्र जडेजा के नाबाद 57 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में राहुल और डिकॉक ने पहले विकेट के लिए 134 रनों की साझेदारी की जिसकी मदद से लखनऊ ने एक ओवर शेष रहते दो विकेट पर 180 रन बनाकर जीत दर्ज की।

लखनऊ के लिए केएल राहुल ने 53 गेंदों पर 82 रनों की पारी खेली, जबकि डिकॉक ने 43 गेंदों पर 54 रन बनाए।

जीत के बावजूद पांचवें स्थान पर बरकरार लखनऊ- हार के बावजूद चेन्नई की टीम सात मैचों में चार जीत और तीन हार के साथ आठ लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर बनी हुई है, जबकि इतने ही मैच में सीएसके के समान अंक प्राप्त करने वाली लखनऊ की टीम पांचवें स्थान पर बरकरार है।

लखनऊ के लिए दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी- केएल राहुल और डिकॉक ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। जिस पर चेन्नई के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिख रहे थे, उसी पिच पर राहुल और डिकॉक की जोड़ी ने चेन्नई के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। राहुल और डिकॉक के बीच लखनऊ के लिए किसी भी विकेट के लिए हुई यह दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। लखनऊ के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी का रिकॉर्ड भी इन्हीं दोनों बल्लेबाजों के नाम है। राहुल और डिकॉक ने इससे पहले 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नाबाद 210 रनों की साझेदारी की थी। हालांकि तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने क्विंटन डिकॉक को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डिकॉक 43 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए।

जडेजा ने पकड़ा राहुल का शानदार कैच- तेज गेंदबाज मथिशा पथिराना ने कप्तान केएल राहुल को आउट कर लखनऊ को दूसरा झटका दिया। केएल राहुल ने पथिराना की गेंद पर शानदार शॉट जड़ा, लेकिन जडेजा ने एक हाथ से कैच पकड़कर राहुल को आउट किया। राहुल 53 गेंदों पर 82 रन बनाकर पवेलियन लौटे। राहुल के आउट होने के बाद निकोलस पूरन (नाबाद 23) रन और मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 8) रन क्रीज पर टिके रहे और उन्होंने लखनऊ को जीत दिलाई।

सिनेमा

प्लास्टिक सर्जरी के सवाल पर बोले राजकुमार- 'मेरे साथ प्रैंक हुआ है', बताया बदले लुक्स का सच

बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव हाल कुछ समय से काफी चर्चा में हैं. हाल ही में वो एक इवेंट में नजर आए, तो वहां खींची गई उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. इन फोटोज में उनकी चिन थोड़ी ज्यादा लंबी नजर आ रही है. फोटो देखकर इंटरनेट की जनता ने ये दावा करना शुरू कर दिया कि राजकुमार ने प्लास्टिक सर्जरी करवा ली है. सर्जरी करवाने की चर्चा के साथ-साथ उनपर काफी मीम भी बनने लगे. अब इंडिया टुडे के साथ एक खास बातचीत में उन्होंने इस बारे में बात की है. राजकुमार ने अपने ऊपर बने मीम्स ओ 'फनी' कहते हुए बताया कि असलियत क्या है. राजकुमार ने कहा, 'आपने वो तस्वीर देखी हो तो, वो मेरे जैसी लग भी नहीं रही है. ये असल में बहुत फनी है क्योंकि वो मैं हूं भी नहीं. मुझे लगता है कि किसी ने मेरे साथ प्रैंक किया है. मुझे पक्का यकीन है कि वो फोटो एडिट की गई है.' राजकुमार ने आगे कहा कि जब ये फोटो वायरल होने लगी तो लोग उनकी पुरानी तस्वीरें निकालने लगे और (सर्जरी के) दावे करने लगे. उन्होंने कहा, 'लोग बड़े बड़े शब्द इस्तेमाल कर रहे थे जैसे प्लास्टिक सर्जरी, लेकिन मैंने कभी सर्जरी नहीं करवाई. जब मैंने शुरुआत की थी, लोग मेरे लुक्स पर कमेन्ट करते थे. तो हां काफी समय पहले, करीब 8-9 साल पहले, मैंने फिलर्स जरूर लिए थे. ये मैंने अच्छा फील करने के लिए और अच्छा दिखने के लिए किया था, ताकि मेरा चेहरा बैलेंस्ड लगे. ये मेरे स्किन डॉक्टर ने सजेस्ट किया था.

Highlights

1. What is the 'Blue Whale challenge' linked to Indian student's death in US?
2. Rejection & rage: what murder of Hubballi's Neha Hiremath tells us
3. India Weather alert: Thunderstorm and rain forecast
4. Lok Sabha Election: PM Modi thanks voters for high turnout
5. It was due to personal reasons: K'taka CM on murder of Congress councillor's daughter

Net EPFO subscribers in FY24 jump; check out the big numbers

NEW DEIHI, (Agency). In what is deemed as a bg improvement in India's jobs situation, it has been reported that the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) has logged over 19% growth in net subscribers (year-on-year) to 1.65 crore members in 2023-24. This is as per the latest payroll data. Notably, over the previous years, there have been a number of ups and downs registered by the retirement funds body. For instance, the addition of 61.12 lakh net subscribers was reported in 2018-19, which then shot up to 78.58 lakh in 2019-20, but reversed a bit to 77.08 lakh in 2020-21. The last being due to the impact of Covid-19 pandemic. However, it improved massively to 1.22 crore in 2021-22 and further jumped to 1.38 crore in 2022-23. The net subscribers addition by EPFO jumped in excess of 19 per cent to 1.65 crore in 2023-24, PTI reported, quoting an official in the know.

Some other statistics are painting a better picture for the future too. According to the Periodic Labour Force Survey (PLFS) data for the last six years, there is an improving trend seen in labour participation rate and worker population ratio. Moreover, this signals a number of favorable indicators: a drop in unemployment figures, an upswing in markers of female and youth employment, alongside those reflective of educational attainment.

The PLFS, done by the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI), is where India officially gets its job and unemployment numbers from.

The yearly PLFS report shows things getting better from 2017-18 to 2022-23 for how many people are working, how many are looking for work, and how many can't find a job among those who are 15 or older. They said the percentage of people working (worker population ratio) went up from 46.8% in 2017-18 to 56% in 2022-23.

Vodafone Idea FPO: After anchor investors, institutional investors rain money on offer

NEW DEIHI, (Agency). Vodafone Idea may be a struggling company whose fate is not clear, but that is not what some investors think, considering the amount of money that they are throwing at its offer. In fact, after anchor investors poured in money aplenty into it, Vodafone Idea FPO has become the beneficiary of institutional investors' largesse too.

Crippled by debt, Vodafone Idea's ₹18,000 crore follow-on offering (FPO)

picked up massive momentum on Friday and now it is being reported that close to half of the issue has been subscribed - mostly by institutional investors.

Overall, Vodafone Idea FPO has garnered ₹12,000 crore of which some ₹5,400 crore has come from anchor investors. And this is the case at just the end of the 2nd day, reveals a PTI report.

The Vodafone Idea FPO has put as many as 1,260 crore shares on offer, and as many as 617.46 crore have been subscribed, Bombay Stock Exchange (BSE) data shows.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक